Toppersnotes®
Unleash the topper in you

राजस्थान

PTET

प्री टीचर एजुकेशन टेस्ट

भाग - 1

भारत एवं राजस्थान का सामान्य ज्ञान

SIERRA INNOVATIONS

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	भारत की भौगोलिक स्थिति	1
2	भारत की संरचना और भू–आकृति	5
3	अपवाह तंत्र	18
4	प्राकृतिक वनस्पति	27
5	मृदा	30
6	भारत में उद्योग	34
7	वन्यजीव सरंक्षण	38
8	सिन्धु घाटी सभ्यता	46
9	वैदिक युग	50
10	बौद्ध धर्म और जैन धर्म	54
11	मौर्य साम्राज्य	58
12	गुप्त काल और गुप्तोतर काल	61
13	अरब आक्रमण एवं दिल्ली सल्तनत	65
14	मुग़ल साम्राज्य	70
15	सामाजिक–धार्मिक आंदोलन	76
16	राष्ट्रीय आंदोलन (1905–1919)	80
17	गांधी युग और राष्ट्रीय आंदोलन (1919–1940)	83
18	स्वतंत्रता की ओर (1940 – 1947)	90
19	भारतीय संविधान की विशेषताएँ	93
20	प्रस्तावना	98
21	मूल अधिकार	100
22	नीति निदेशक सिद्धांत	105
23	मौलिक कर्तव्य	107

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
24	राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति	108
25	प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद	114
26	संसद	116
27	संविधान संशोधन	123
28	न्यायपालिका	127
29	भारतीय कला और संस्कृति	135
30	खेल	149
31	राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार	162
32	राजस्थान का सामान्य परिचय	168
33	राजस्थान की भौगोलिक स्थिति	173
34	राजस्थान की जनसंख्या	185
35	राजस्थान की प्रमुख नदियाँ और झीलें	191
36	राजस्थान की प्रशासन और राजस्व व्यवस्था	204
37	प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी एवं व्यक्तित्व	208
38	राजस्थान की चित्रकला	217
39	राजस्थान की हस्तशिल्प कला	225
40	राजस्थान के लोकगीत और वाद्य यंत्र	230
41	राजस्थान के लोक नृत्य	240
42	राजस्थान के लोक नाट्य	244
43	राजस्थान का साहित्य	247
44	राजस्थान के मेले और त्योहार	255
45	राजस्थान स्थापत्य एवं शिल्प कला	265

1 CHAPTER

भारत की भौगोलिक स्थिति

➢ दक्षिण एशिया में स्थित भारतीय उपमहाद्वीप तीन ओर जल से घिरा हुआ है। इसके दक्षिण में हिंद महासागर, पश्चिम में अरब सागर और पूर्व में बंगाल की खाड़ी है। इसके उत्तर में हिमालय पर्वतमाला है।

विश्व में भारत

- एशिया महाद्वीप में स्थित → दक्षिण एशियाई देश
- विश्व की जनसंख्या का लगभग 17.5% हिस्सा भारत में है (जनगणना 2011 के अनुसार)
- विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 2.4% भारत में है
- क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व में भारत का **सातवाँ स्थान** (रूस, कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, ब्राज़ील, ऑस्ट्रेलिया के बाद)

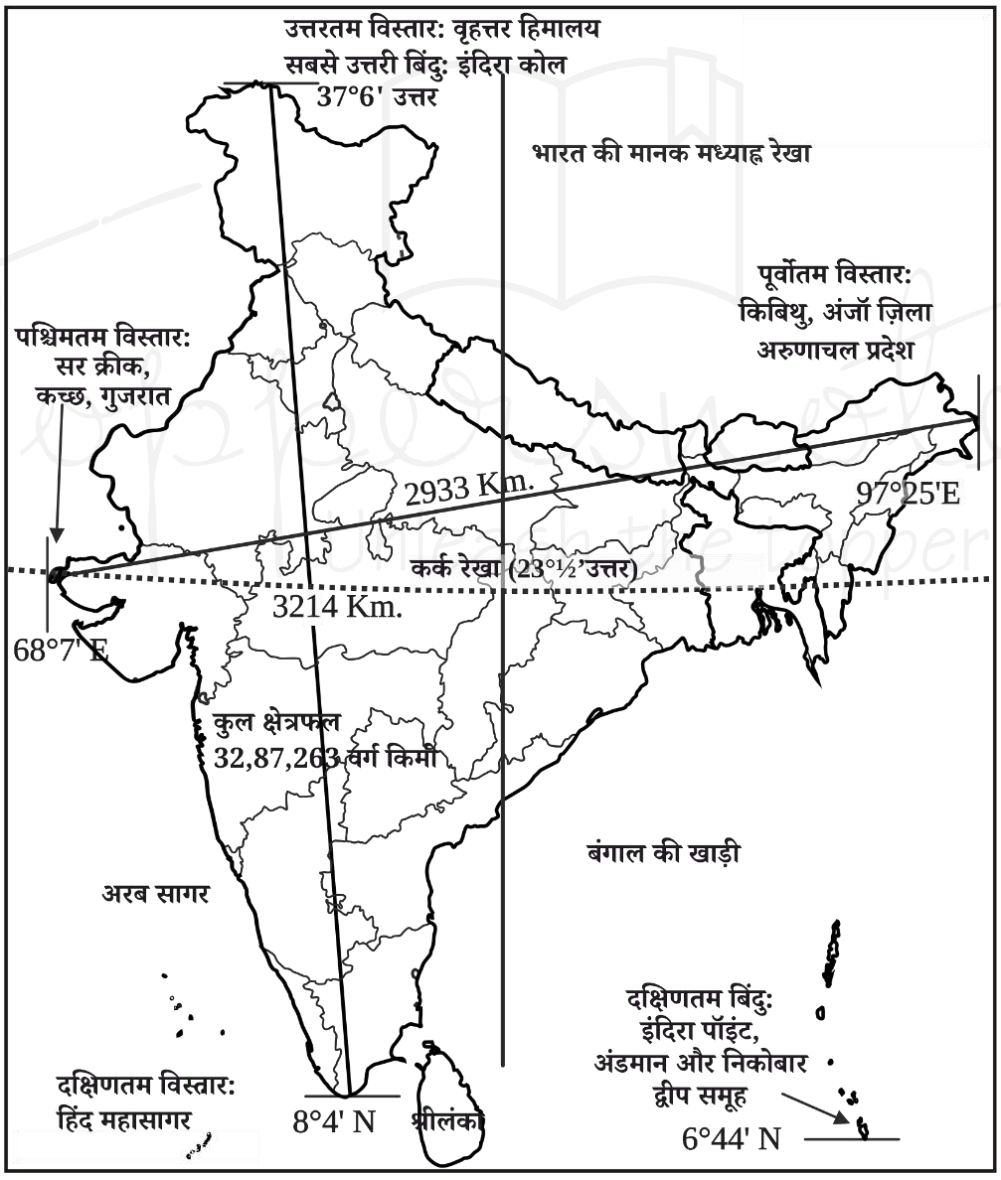

एक भौगोलिक इकाई के रूप में भारत:

1. **भौगोलिक विस्तार**
   - ✓ **अक्षांशीय विस्तार: 8°4** उत्तरी (दक्षिणी छोर) अक्षांश से **37° 6** उत्तरी (उत्तर छोर) अक्षांश तक।
   - ✓ **देशांतर विस्तार: 68°7** पूर्वी (पश्चिमी छोर) देशांतर से **97° 25** पूर्वी (पूर्वी छोर) देशांतर तक।
   - ✓ **उत्तर-दक्षिण दूरी: 3214** किमी।
   - ✓ **पूर्व-पश्चिम दूरी: 2933** किमी।
   - ✓ **भारत का कुल** क्षेत्रफल - **32,87,263** वर्ग किमी।
2. **सीमा विवरण**
   - ✓ **कुल भूसीमा की लंबाई: 15,106.7** किमी, जो पड़ोसी देशों के साथ साझा की जाती है।
   - ✓ **कुल तटरेखा की लंबाई:**
     - मुख्य भूमि, द्वीपों और खाड़ियों सहित लगभग 7,516.6 किमी।
     - संशोधित तटरेखा (ज्वारीय मुहानों सहित): 11,098 किमी।
     - प्रादेशिक जल: तट से 12 नॉटिकल मील (22.2 किमी) तक विस्तारित।
   - ✓ 28 राज्य और 8 संघशासित प्रदेश शामिल हैं।
   - ✓ कुल अंतर्राष्ट्रीय पड़ोसी: 9 (7 भूसीमा + 2 समुद्री सीमा)।

क्या आप जानते हैं?

- **हिंद महासागर अपने महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्गों, अवरोध बिंदुओं और रणनीतिक भू-राजनीतिक लाभों के कारण बड़ी शक्तियों के सैन्य ठिकानों की मेजबानी करता है।**
- **भारत का सबसे दक्षिणी भाग इंदिरा पॉइंट है जो अंडमान और निकोबार द्वीप पर स्थित है।**
- **भारतीय मुख्य भूमि का सबसे दक्षिणी बिंदु कन्याकुमारी (जिसे केप कोमोरिन भी कहा जाता है) है, जो तमिलनाडु राज्य में स्थित है। यहीं पर हिंद महासागर, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर का संगम होता है।**
- **भारत का सबसे पश्चिमी बिंदु गुजरात के कच्छ जिले में गुहार मोती का छोटा सा गाँव है।**
- **भारत का सबसे पूर्वी बिंदु किबिथु है, जो अरुणाचल प्रदेश में स्थित है।**
- **भारत का सबसे उत्तरी बिंदु- इंदिरा कॉल**

भारत के पड़ोसी देश और अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से जुड़े राज्य

देश	सीमावर्ती राज्य	लंबाई (किमी)	अन्य महत्वपूर्ण तथ्य
बांग्लादेश	पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम	4,096.1 किमी	यह विश्व की पाँचवीं सबसे लंबी अंतर्राष्ट्रीय भू - सीमा है।
चीन	जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश	3488 किमी	
पाकिस्तान	जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, लद्दाख	3,323 किमी	भारत के पड़ोसी देशों में पाकिस्तान के पास सर्वधिक "मिलियन-प्लस (एक मिलियन से अधिक जनसंख्या)" शहर है। जैसे कराची, लाहौर, फैसलाबाद और रावलपिंडी।
नेपाल	बिहार, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, सिक्किम, पश्चिम बंगाल	1751किमी	भारत नेपाल के साथ खुली सीमा साझा करता है।
म्यांमार	अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम	1,643 किमी	रोहिंग्या विस्थापन समस्या।

भूटान	सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, पश्चिम बंगाल	699 किमी	
अफगानिस्तान	लद्दाख (POK)	106 किमी	सबसे छोटी सीमा, लद्दाख (POK)।

3. समुद्री पड़ोसी देश:

✓ **मालदीव**

- **आधिकारिक भाषा:** धिवेही
  - ☞ यह भाषा इंडो-आर्यन भाषा परिवार से संबंधित है।
  - ☞ यह प्राचीन सिंहली भाषा से उत्पन्न हुई है।
  - ☞ इसे थाना लिपि में लिखा जाता है, जो दाएँ से बाएँ पढ़ी जाती है।

✓ **श्रीलंका**

- श्रीलंका पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी द्वारा भारत से अलग होता है। यह तमिलनाडु (भारत) के तट और श्रीलंका के जाफना जिले के बीच स्थित है।
- जलडमरूमध्य का नाम मद्रास के पूर्व गवर्नर रॉबर्ट पाक के नाम पर रखा गया है।
- पाक जलडमरूमध्य पंबन द्वीप (भारत), आदम का पुल (राम सेतु) और मन्नार की खाड़ी (श्रीलंका) से घिरा हुआ है।

4. प्रमुख समानांतर और मध्याह्न रेखाएँ:

✓ **कर्क रेखा:**

- भारत को 2 जलवायु क्षेत्रों में विभाजित करती है-
  - ☞ **उष्णकटिबंधीय क्षेत्र :** कर्क रेखा के दक्षिण में।
  - ☞ **उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र :** कर्क रेखा के उत्तर में।
- **8 राज्यों से गुजरती है** → गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम।

✓ **मानक देशांतर रेखा:**

- भारत अपना मानक देशांतर 82.5° पूर्वी देशांतर को मानता है जो उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर के पास स्थित है। यह उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश से गुजरती है।
- इस देशांतर का उपयोग भारतीय मानक समय (IST) निर्धारित करने के लिए किया जाता है, जो ग्रीनविच मानक समय से 5 घंटे 30 मिनट (GMT+5:30) आगे है।

  भारत का देशांतर विस्तार लगभग 30° है जो गुजरात (पश्चिम) से लेकर अरुणाचल प्रदेश (पूर्व) तक फैला हुआ है। इसके कारण, पूर्वी और पश्चिमी छोर के बीच लगभग दो घंटे (104 मिनट या 1 घंटा 44 मिनट) का समय अंतर होता है। भारत का पूर्व-पश्चिम विस्तार अधिक होने के बावजूद संपूर्ण देश एक ही समय क्षेत्र का पालन करता है ताकि प्रशासनिक सुविधा और समानता बनी रहे।

महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ

सीमा रेखा	संबंधित देश
रेडक्लिफ़ रेखा	भारत और पाकिस्तान
मैकमोहन रेखा	भारत और चीन
डूरंड रेखा	पाकिस्तान और अफगानिस्तान
49वीं समानांतर रेखा	संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा (सबसे लंबी सीमा)
38वीं समानांतर रेखा	उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया
हिंडनबर्ग रेखा	जर्मनी और पोलैंड
मैजिनोट रेखा	फ्रांस और जर्मनी
ओडर-नीस रेखा	जर्मनी और पोलैंड

राज्य और राजधानी

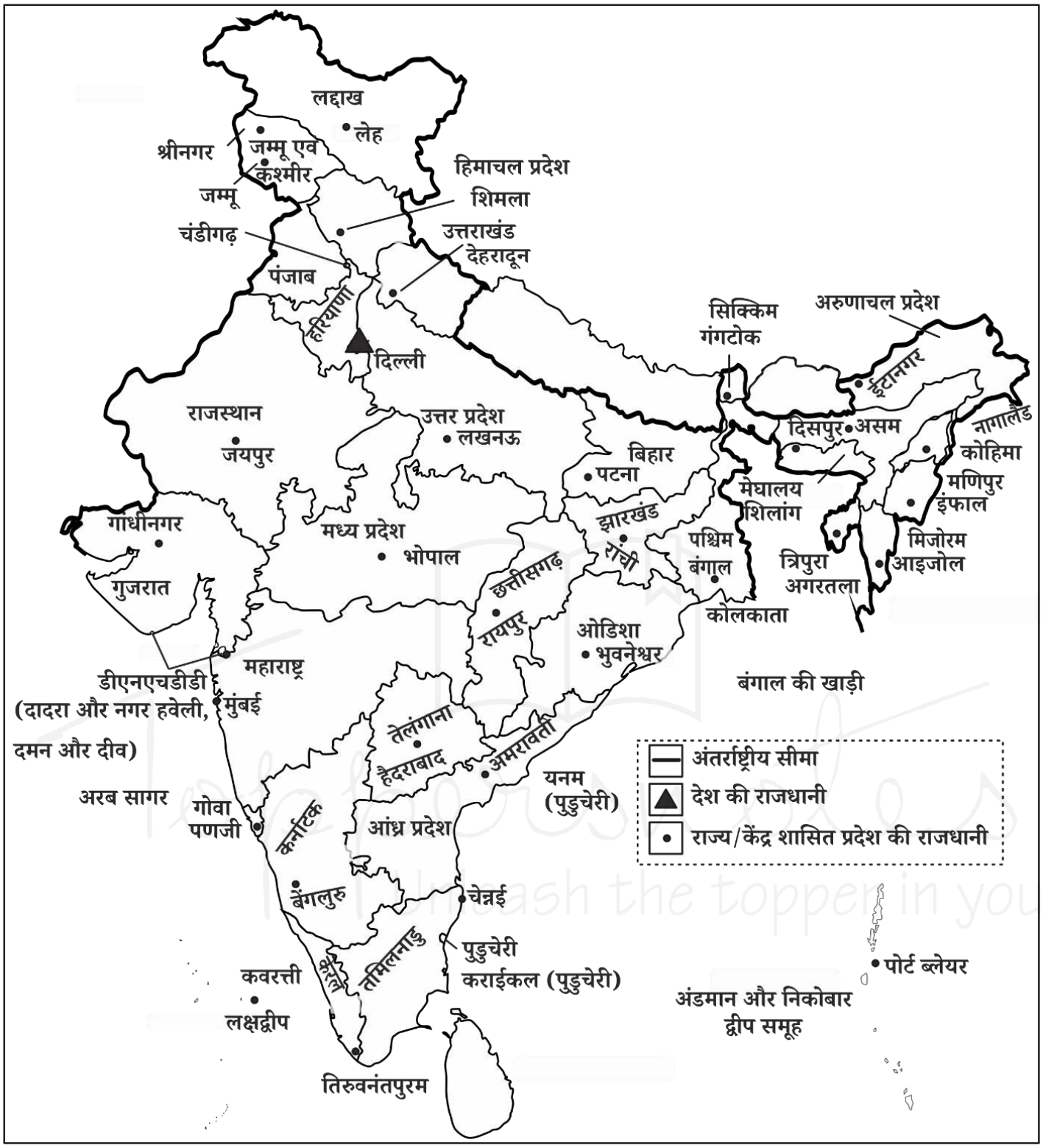
लद्दाख
लेह
श्रीनगर
जम्मू एवं कश्मीर
जम्मू
हिमाचल प्रदेश
शिमला
चंडीगढ़
उत्तराखंड
देहरादून
पंजाब
हरियाणा
दिल्ली
सिक्किम
गंगटोक
अरुणाचल प्रदेश
इटानगर
राजस्थान
जयपुर
उत्तर प्रदेश
लखनऊ
दिसपुर
असम
नागालैंड
कोहिमा
बिहार
पटना
मेघालय
शिलांग
मणिपुर
इंफाल
गांधीनगर
मध्य प्रदेश
भोपाल
झारखंड
रांची
पश्चिम बंगाल
त्रिपुरा
अगरतला
मिजोरम
आइजोल
गुजरात
छत्तीसगढ़
रायपुर
कोलकाता
ओडिशा
भुवनेश्वर
महाराष्ट्र
डीएनएचडीडी
(दादरा और नगर हवेली,
दमन और दीव)
मुंबई
बंगाल की खाड़ी
तेलंगाना
हैदराबाद
अमरावती
यनम
(पुडुचेरी)
अरब सागर
गोवा
पणजी
कर्नाटक
आंध्र प्रदेश
बेंगलुरु
चेन्नई
पुडुचेरी
कराईकल (पुडुचेरी)
तमिलनाडु
कवरत्ती
लक्षद्वीप
तिरुवनंतपुरम
पोर्ट ब्लेयर
अंडमान और निकोबार
द्वीप समूह
अंतर्राष्ट्रीय सीमा
देश की राजधानी
राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की राजधानी

2 CHAPTER

भारत की संरचना और भू-आकृति

- भारत का भौतिक भूदृश्य लाखों वर्षों में निर्मित विविध भूवैज्ञानिक संरचनाओं और भूआकृतिक विभाजनों द्वारा आकार ग्रहण करता है। यह विविध भू-भाग जलवायु, कृषि, जैव विविधता और मानव बस्तियों के स्वरूप को प्रभावित करते है।

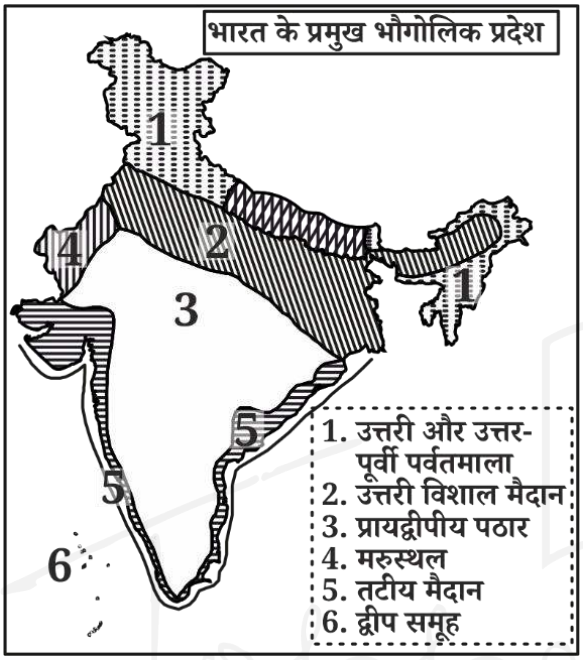

उत्तरी और उत्तर-पूर्वी पर्वतमालाएँ

- इसमें **हिमालय** और **पूर्वोत्तर की पहाड़ियाँ** शामिल है।
- **हिमालय:**
  - ✓ यह कई समानांतर पर्वतमालाओं से मिलकर बना है: **ट्रांस-हिमालय**, **महान हिमालय (हिमाद्रि)**, **मध्य हिमालय (हिमाचल)** और **शिवालिक** (विस्तार-पश्चिम से पूर्व तक लगभग **2,400 किलोमीटर** में चाप के रूप में)।
  - ✓ **विस्तार की दिशा**: उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व **(**मुख्य पर्वतमालाएँ**)**, पूर्व से पश्चिम **(**सिक्किम क्षेत्र**)** और उत्तर से दक्षिण **(**नागालैंड और मिज़ोरम**)**।
  - ✓ **यह जलवायु, भौतिक संरचना, अपवाह और सांस्कृतिक रूप से प्राकृतिक अवरोध** का कार्य करता है।
  - ✓ यह एक **युवा वलित पर्वत** है।
  - ✓ **प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत** के अनुसार, हिमालय का निर्माण **टेथिस सागर** के तलछटों के संपीड़न से हुआ था।
  - ✓ भारत में, **हिमालय** और **उत्तर के मैदान** नवनिर्मित स्थलरूप है।

हिंदूकुश

- **हिंदूकुश पर्वत श्रृंखला** को भारत की प्रमुख पर्वतमालाओं में शामिल नहीं **किया** जाता है।
- यह लगभग **800 किलोमीटर** लंबी पर्वतमाला है जो **अफ़ग़ानिस्तान**, **उत्तरी पाकिस्तान** और **ताजिकिस्तान** से होकर गुजरती है।
- पाकिस्तान के **चित्रल ज़िले** में स्थित **तिरिच मीर** इस पर्वत श्रृंखला की **सर्वोच्च चोटी** है।

उपविभाजन –

A. **हिमालय का उत्तर-दक्षिण दिशा में विभाजन (अनुप्रस्थ पर्वत श्रृंखला)**

विभाजन	विशेषताएँ	प्रमुख शिखर
महान हिमालय (हिमाद्रि या	i. सबसे ऊँची और सबसे सतत पर्वतमाला (औसत ऊँचाई ~6,100 मीटर)	प्रमुख शिखर: एवरेस्ट (**8,848** मीटर), कंचनजंघा (**8,598**

आंतरिक हिमालय)	ii. इसका दक्षिणी ढलान खड़ा एवं तीव्र है; असममित वलित संरचना; इसका प्रारंभ पश्चिम में नंगा पर्वत (8126 मीटर) से पूर्व में नामचा बरुआ (7,782 मीटर) तक है। iii. महान हिमालय और लघु हिमालय **मुख्य केंद्रीय भ्रंश (MCT)** द्वारा अलग होते है।	मीटर), ल्होत्से, चो ओयू, मकालू, धौलागिरि (नेपाल), नंदा देवी (**7,817** मीटर, उत्तराखंड), त्रिशूल आदि। हालाँकि नवीनतम गणना के अनुरूप चीन और नेपाल ने माउंट एवरेस्ट की ऊँचाई को **8,848.86** मीटर प्रमाणित किया है।
लघु हिमालय (मध्य हिमालय)	i. ऊँचाई लगभग 3,500 से 4,500 मीटर के बीच ii. यह क्षेत्र **ऊबड़-खाबड़ उच्चभूमियों** से बना है जिनके बीच में **विस्तृत घाटियाँ** स्थित है। जैसे कश्मीर, कुल्लू, कांगड़ा आदि।	नाग टिब्बा, महाभारत लेख, धौलाधर पर्वतमाला (हिमाचल प्रदेश)।
शिवालिक (बाह्य हिमालय)	i. निम्न ऊँचाई वाले क्षेत्र (900–1,100 मीटर) ii. मध्यम चौड़ाई (10 से 50 किलोमीटर) iii. चौड़ी जलोढ़ घाटियाँ, जिन्हें “दून” कहा जाता है। जैसे- देहरादून (सबसे बड़ा दून), कोटली दून, पाटलीदून। ये घाटियाँ लघु हिमालय और शिवालिक की पहाड़ियों के बीच स्थित होती है। iv. मौसमी जलधाराएँ (जिन्हें **चोस** कहा जाता है) इन क्षेत्रों से होकर बहती है।	

माउंट एवरेस्ट

- इसकी ऊँचाई **8,848 मीटर** (29,032 फीट) है।
- यह शिखर **नेपाल** और **चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र** की सीमा पर स्थित है।
- माउंट एवरेस्ट **हिमालय पर्वत श्रृंखला** की सबसे ऊँची चोटी है और इसे **पृथ्वी का सर्वोच्च बिंदु** माना जाता है।

कंचनजंघा

- भारत (सिक्किम) में स्थित कंचनजंघा दुनिया का तीसरा सबसे ऊँचा पर्वत है जिसकी ऊँचाई 8598 मीटर है।
- इसे वर्ष 1856 में आधिकारिक रूप से दुनिया का तीसरा सबसे ऊँचा पर्वत घोषित किया गया था।
- यह पूर्वी हिमालय में, भारत और पूर्वी नेपाल की सीमा पर स्थित है।
- कंचनजंघा में पाँच शिखर शामिल है और सिक्किम में इसे "हिम के पाँच खजाने" के रूप में जाना जाता है।

साल्तोरो कांगरी

- यह **साल्तोरो पर्वत श्रृंखला** की सबसे ऊँची चोटी है जो **काराकोरम पर्वत श्रृंखला** की एक उपश्रृंखला है।
- यह **वास्तविक भू-नियंत्रण रेखा (AGPL)** के समीप स्थित है और **सियाचिन ग्लेशियर क्षेत्र** में **भारत एवं पाकिस्तान** के नियंत्रित क्षेत्रों की सीमा का निर्माण करती है।
- साल्तोरो कांगरी एक **विवादित क्षेत्र** में स्थित है जो भारत और पाकिस्तान के बीच **काराकोरम** में स्थित **सियाचिन ग्लेशियर** का हिस्सा है।
- यह क्षेत्र **अत्यंत सामरिक महत्त्व** रखता है, इसी कारण **दोनों देश यहाँ सैन्य उपस्थिति** बनाए रखते हैं और यह स्थान विश्व के **सबसे ऊँचे युद्धक्षेत्रों** में से एक माना जाता है।

B. हिमालय का पूर्व–पश्चिम दिशा में विभाजन

विभाजन	विशेषताएँ	प्रमुख शिखर / पर्वतमालाएँ
कश्मीर / उत्तर–पश्चिमी हिमालय	i. **कश्मीर घाटी** (विवर्तनिकी कारणों से निर्मित) जिसमें प्रसिद्ध **डल** और **वुलर** झील स्थित है। ii. **पैंगोग त्सो झील** लद्दाख में स्थित है। iii. **करेवा** (झीलों के किनारे बने तलछटी अवशेष) **केसर की खेती** के लिए प्रसिद्ध है। iv. **सबसे लंबी पर्वतमाला, पीर पंजाल पर्वतमाला** जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश से होकर गुजरती है।	➢ **प्रमुख पर्वतमालाएँ:** काराकोरम, लद्दाख, जास्कर (सासेर कांगरी), पीर पंजाल ➢ मुख्य शिखर: **K2 (8611** मीटर ऊँची, भारत की **सबसे ऊँची चोटी,** पाक-अधिकृत कश्मीर में स्थित**), नंगा पर्वत, गाशरब्रुम, राकापोशी**।
हिमाचल एवं उत्तराखंड हिमालय	➢ हिमाद्रि, हिमाचल और शिवालिक पर्वतमालाओं को सम्मिलित करने पर यह सम्पूर्ण क्षेत्र सामान्यतः **कुमाऊँ हिमालय** के नाम से जाना जाता है। ➢ **हिमाचल प्रदेश** में **कांगड़ा** और **कुल्लू घाटियाँ** स्थित हैं। ➢ यह क्षेत्र **सतलज** और **काली नदियों** के बीच फैला हुआ है। ➢ यहाँ प्रसिद्ध **फूलों की घाटी** स्थित है।	➢ **प्रमुख पर्वतमालाएँ:** महान हिमालय (हिमाद्रि), धौलाधर पर्वतमाला, **नाग** टिब्बा उपश्रृंखला और शिवालिक । ➢ **मुख्य शिखर: कामेत (7,756 मीटर), नंदा देवी, केदारनाथ, त्रिशूल, बंदरपुंछ** (यमुना नदी का उद्गम क्षेत्र यहीं स्थित है।)
नेपाल हिमालय	i. सर्वोच्च निरंतर हिमालयी श्रृंखला ii. दक्षिणी तलहटी में प्रसिद्ध चाय बागान स्थित है। iii. काली और तीस्ता नदियों के बीच स्थित	➢ **मुख्य पर्वतमालाएँ:** महाभारत और चुरिया श्रेणियाँ ➢ **मुख्य शिखर**: एवरेस्ट, अन्नपूर्णा, धौलागिरि, मकालू
दार्जिलिंग एवं सिक्किम हिमालय	i. प्रसिद्ध चाय बागान ii. अद्वितीय ऑर्किड विविधता iii. लेपचा जनजाति का निवास स्थान	➢ **मुख्य पर्वतमाला**: कंचनजंघा, महाभारत पर्वत श्रृंखला की सन्निकट श्रेणियाँ ➢ **मुख्य शिखर:** कंचनजंघा
अरुणाचल हिमालय या असम हिमालय	➢ यह पश्चिम में तीस्ता नदी और पूर्व में दिहांग नदी (तिब्बत में जिसे सियांग नदी या त्सांगपो कहते हैं) के बीच स्थित है। ➢ ब्रह्मपुत्र नदी हिमालय की पूर्वी सीमा को दर्शाती है।	➢ **मुख्य पर्वतमालाएँ**: पटकाई बुम, नागा पहाड़ियाँ, अबोर पहाड़ियाँ ➢ **मुख्य शिखर**: नामचा बरवा, कांग्तो

C. पूर्वांचल हिमालय

✓ पूर्वोत्तर भारत में हिमालय का पूर्वी विस्तार जो दिहांग घाटी से आगे दक्षिण की ओर मुड़ते हुए, प्रायः उत्तर-दक्षिण दिशा में फैली हुई पहाड़ी पर्वतमालाओं की एक श्रृंखला बनाता है।

उप-श्रेणी	संरचना एवं संगठन	विशेषताएँ एवं उपयोग	सर्वोच्च शिखर	अन्य विशेषताएँ
पटकाई बुम	अत्यधिक खंडित पहाड़ियाँ, घने वर्षावनों से आच्छादित।	अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार के बीच **अंतरराष्ट्रीय सीमा** का निर्माण करती है।	—	**जैव विविधता हॉटस्पॉट**

नागा पहाड़ियाँ	मुख्यतः **आग्नेय और रूपांतरित चट्टानों** से निर्मित।	भारत और म्यांमार के बीच **जल विभाजक** के रूप में कार्य करती है।	**माउंट सारामती**	स्थानीय **नागा जनजाति द्वारा झूम खेती** की जाती है।
मणिपुर पहाड़ियाँ	**अवसादी परतें** एवं **मिट्टी के निक्षेप** पाए जाते है।	यह नागा पर्वतमाला का **दक्षिणी दिशा में विस्तार** है।	—	—
बरैल पर्वतमाला	वलित निक्षेप, जो इसे नगा हिल्स से अलग करते हैं	**संकीर्ण घाटियाँ** और **मध्यम ऊँचाई वाले क्षेत्र** इसकी विशेषता हैं	**माउंट टेम्पू/इसो (मणिपुर)**	—
मिज़ो (लुशाई) पहाड़ियाँ	**मोलासेस बेसिन** के असंघटित अवसादी पदार्थों से निर्मित	स्थानीय रूप से **"ब्लू माउंटेन क्षेत्र"** के नाम से प्रसिद्ध	**फावंगपुई (2,157 मीटर)**	समृद्ध **जनजातीय संस्कृति** और **निरंतर झूम खेती** की परंपरा

✓ **मेघालय**

- गारो, खासी और जयंतिया पहाड़ियाँ, जो मालवा पठार काल के दौरान निर्मित हुई थी।
- इन पहाड़ियों का नामकरण यहाँ निवास करने वाली जनजातियों के आधार पर किया गया है।
- मेघालय की खासी पहाड़ियों में स्थित मासिनराम पृथ्वी पर सबसे अधिक वार्षिक वर्षा प्राप्त करने के लिए प्रसिद्ध है। खासी पहाड़ियों की विशिष्ट स्थलाकृति वर्षा-वाहक बादलों के पर्वतीय उत्थान को प्रोत्साहित करती है जिसके परिणामस्वरूप अत्यधिक भारी वर्षा होती है।
- मेघालय की राजधानी शिलांग, खासी पहाड़ियों में स्थित है।
- प्राकृतिक सुंदरता और हरियाली के कारण मेघालय को "पूर्व का स्कॉटलैंड" भी कहा जाता है।

प्रमुख हिमालयी हिमनद

हिमनद का नाम	स्थान	महत्वपूर्ण विशेषताएँ
सियाचिन	काराकोरम पर्वतमाला	हिमालय की नुब्रा घाटी; ध्रुवीय क्षेत्र के बाहर दूसरा सबसे लंबा हिमनद; ट्रांस-हिमालय का सबसे बड़ा हिमनद।
बियाफो	काराकोरम	शिगार नदी में प्रवाहित होता है।
गंगोत्री	उत्तराखंड	इसका उद्गम चौखंबा चोटी के नीचे स्थित है; 'गोमुख' के नाम से भी जाना जाता है।
हिस्पर	गिलगित-बाल्टिस्तान	विश्व की सबसे लंबी हिमानी प्रणाली।
ज़ेमू	सिक्किम/नेपाल	पूर्वी हिमालय का सबसे बड़ा हिमनद; तीस्ता नदी को जल प्रदान करता है।
सोनापानी	लाहौल और स्पीति, हिमाचल प्रदेश	पीर पंजाल श्रेणी का सबसे लंबा हिमनद; इसकी एक जलधारा चंद्रा नदी में मिलती है जो आगे भागा नदी से मिलकर चेनाब नदी का निर्माण करती है।
मिलाम	उत्तराखंड	सरयू की सहायक गोरी गंगा नदी का प्रमुख स्रोत; कुमाऊँ हिमालय का सबसे बड़ा हिमनद।
चोंग कुमदान	काराकोरम, लद्दाख	संभावित अवरोध के कारण श्योक नदी को जल प्रदान करता है।
दियामिर	पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (POK)	
रुपल	कश्मीर	महान हिमालय में स्थित; उत्तर-पूर्व दिशा में प्रवाहित।
थाजिवास, प्रुई और भिलांस	जम्मू और कश्मीर	—

प्रमुख हिमालयी दर्रे

दर्रे का नाम	राज्य / केंद्र शासित प्रदेश	स्थिति / सीमा	महत्त्व
ज़ोजिला दर्रा	जम्मू-कश्मीर, लद्दाख	महान हिमालय	श्रीनगर–लेह को जोड़ता है; **रक्षात्मक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्त्वपूर्ण**
बनिहाल दर्रा	जम्मू-कश्मीर	पीर पंजाल पर्वतमाला	इसके नीचे **जवाहर सुरंग** बनी है; श्रीनगर–जम्मू मार्ग का हिस्सा; भारत को कश्मीर से जोड़ने वाला प्रमुख दर्रा
खारदुंग ला	लद्दाख	लद्दाख पर्वतमाला	**सियाचिन ग्लेशियर** तक जाने वाला मार्ग; विश्व के सबसे ऊँचे मोटर योग्य सड़कों में से एक
चांग ला	लद्दाख	लद्दाख पर्वतमाला	**लेह को पैंगोंग झील** से जोड़ता है
फोतू ला	लद्दाख	जास्कर पर्वतमाला	**श्रीनगर–लेह राजमार्ग** का सबसे ऊँचा बिंदु
नामिका ला	लद्दाख	जास्कर पर्वतमाला	**कारगिल–लेह मार्ग** पर स्थित
बारालाचा ला	हिमाचल प्रदेश	जास्कर पर्वतमाला	**लेह–मनाली राजमार्ग** पर स्थित
शिपकी ला	हिमाचल प्रदेश	भारत–तिब्बत सीमा (किन्नौर)	ऐतिहासिक रेशम (सिल्क रूट) **व्यापारिक मार्ग**
माना दर्रा	उत्तराखंड	चमोली जिला	**कैलाश–मानसरोवर यात्रा मार्ग**; भारत–चीन सीमा मार्ग
नीति दर्रा	उत्तराखंड	चमोली जिला	तिब्बत को जाने वाला **प्राचीन व्यापारिक मार्ग**
लिपुलेख दर्रा	उत्तराखंड	पिथौरागढ़ जिला	**कैलाश–मानसरोवर यात्रा मार्ग**; **भारत–नेपाल–तिब्बत त्रि-जंक्शन**
नाथू ला	सिक्किम	भारत–चीन सीमा	**भारत–चीन के बीच व्यापारिक चौकी**; विश्व के सबसे ऊँचे मोटर योग्य दर्रों में से एक; सिक्किम को **तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र** से जोड़ता है
जेलेप ला	सिक्किम	कलिम्पोंग के निकट	प्राचीन काल में **ल्हासा (तिब्बत)** जाने वाला व्यापार मार्ग
सेला दर्रा	अरुणाचल प्रदेश	तवांग जिला	**तवांग को राज्य के बाकी हिस्सों से जोड़ती है; सेला सुरंग दुनिया की सबसे लंबी ट्विन लेन सुरंग है, जो 13000 फीट की ऊँचाई पर स्थित है।**
बुम ला	अरुणाचल प्रदेश	तवांग के समीप	भारत–चीन के बीच **संवेदनशील सैन्य दर्रा**
दिफू/डिफर दर्रा	अरुणाचल प्रदेश	पूर्वी कामेंग	**पूर्वी हिमालय** का दुर्गम व सामरिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण दर्रा
खुंजराब दर्रा	पाक-अधिकृत कश्मीर (POK)	चीन–पाकिस्तान सीमा	**CPEC मार्ग** पर स्थित; चीन और पाकिस्तान को जोड़ता है
लानक ला	लद्दाख (विवादित सीमा)	अक्साई चिन (भारत–चीन)	विवादित **भारत–चीन सीमा दर्रा**
लेखापानी	अरुणाचल प्रदेश	असम–अरुणाचल सीमा के पूर्वी छोर पर	द्वितीय विश्व युद्ध कालीन **स्टिलवेल रोड** का ऐतिहासिक मार्ग; सामरिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण

32 CHAPTER राजस्थान का सामान्य परिचय

- राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य है, **1 नवम्बर 2000 से**, इसके बाद क्रमशः मध्य प्रदेश (2nd), महाराष्ट्र (3rd) और उत्तर प्रदेश (4th) का स्थान आता है। TH हैंडली के अनुसार राजस्थान का आकार: समचतुर्भुज या पतंग के समान।

राजधानी: जयपुर | **जिले: 41** | **संभाग: 7**

क्षेत्रफलः 3,42,239,वर्ग किमी (भारत के क्षेत्रफल का 10.41%)

- **2011** की जनगणना के अनुसार
  - ✓ राज्य की कुल जनसंख्या: 6,85,48,437 (भारत की कुल जनसंख्या का 5.67%)।
    - जनसंख्या दृष्टि से राजस्थान का देश में 7वाँ स्थान है।

राजकीय वृक्ष	खेजड़ी
राजकीय पुष्प	रोहिड़े का फूल
राजकीय पशु	चिंकारा (भारतीय गज़ेला) और ऊँट
राजकीय पक्षी	गोडावण
राजकीय नृत्य	घूमर

1. राजस्थान की भू-वैज्ञानिक उत्पत्ति

- राजस्थान की भू-वैज्ञानिक संरचना अद्वितीय है।
- निर्माण- गोंडवानालैंड और टेथिस सागर से ।

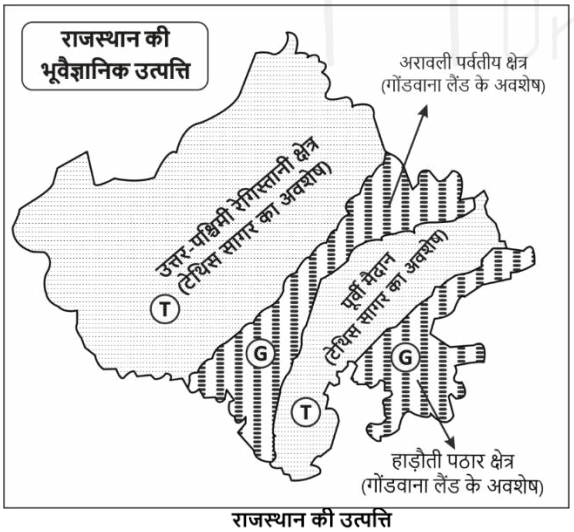

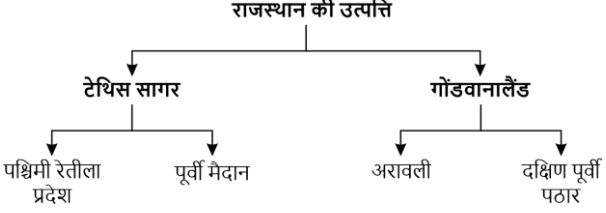

2. राजस्थान की भौगोलिक अवस्थिति

अक्षांश: 23°03′ उत्तर से 30°12′ उत्तर | **देशांतर: 69° 30′पूर्व से 78°17′पूर्व**

अक्षांश अंतरालः 7°09′ | **देशांतर अंतराल: 8°47′**

- राजस्थान अक्षांशीय दृष्टि से उत्तरी गोलार्द्ध में तथा देशांतरीय दृष्टि से पूर्वी गोलार्द्ध में स्थित है।
- राजस्थान की वैश्विक मानचित्र पर अवस्थिति- उत्तर-पूर्वराजस्थान, भारत के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित है।

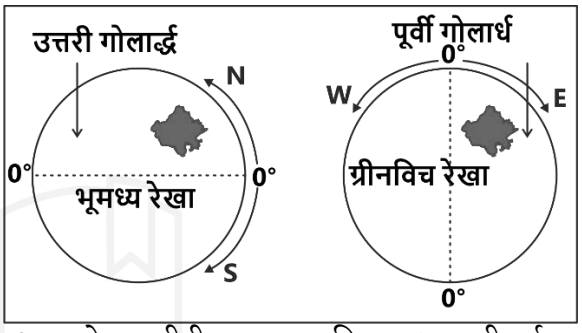

- भारत के प्रायद्वीपीय पठार का हिस्सा- अरावली पर्वतमाला और दक्षिण-पूर्वी पठार।
- भारत के उत्तरी मैदान का हिस्सा- मरुस्थली क्षेत्र और पूर्वी मैदान।

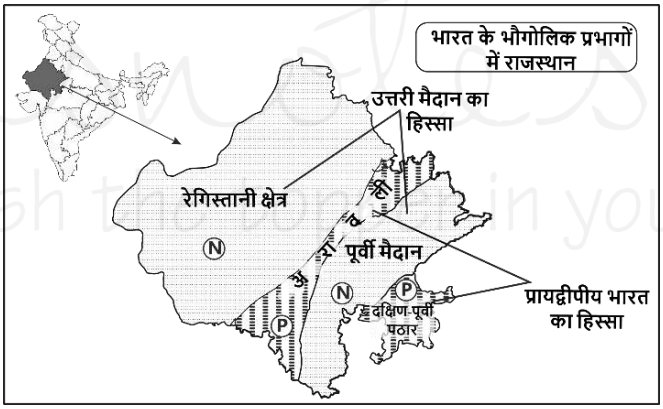

राजस्थान का भौगोलिक विस्तार

- राजस्थान का अधिकांश भू-भाग कर्क रेखा के उत्तर में स्थित है ($23^0 50'$ उत्तरी अंक्षाश)।
- राजस्थान का विस्तार
  - ✓ उत्तर से दक्षिण (देशांतर): 826 किमी.
  - ✓ पूर्व से पश्चिम (अक्षांश): 869 किमी.
  - ✓ राजस्थान के पूर्व-पश्चिम और उत्तर-दक्षिण विस्तार में कुल 43 किमी. का अन्तर है।

- राज्य सबसे पूर्वी बिन्दु (धौलपुर) और सबसे पश्चिमी बिन्दु (जैसलमेर) के मध्य समय अंतराल- 35 मिनट 08 सेकंड।
- राजस्थान के सीमावर्ती बिंदु
  - ✓ उत्तरी छोर: कोणा गाँव (श्रीगंगानगर)
  - ✓ दक्षिणी छोर: बोरकुंड गाँव (बांसवाड़ा)
  - ✓ पश्चिमी छोर: कटरा गाँव (जैसलमेर)
  - ✓ पूर्वी छोर: सिलावट गाँव (धौलपुर)
- राजस्थान का मध्यवर्ती बिन्दु : लाम्पोलाई गाँव (नागौर)
- राजस्थान में कर्क रेखा (26 किमी.) बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिलों से होकर गुजरती है।

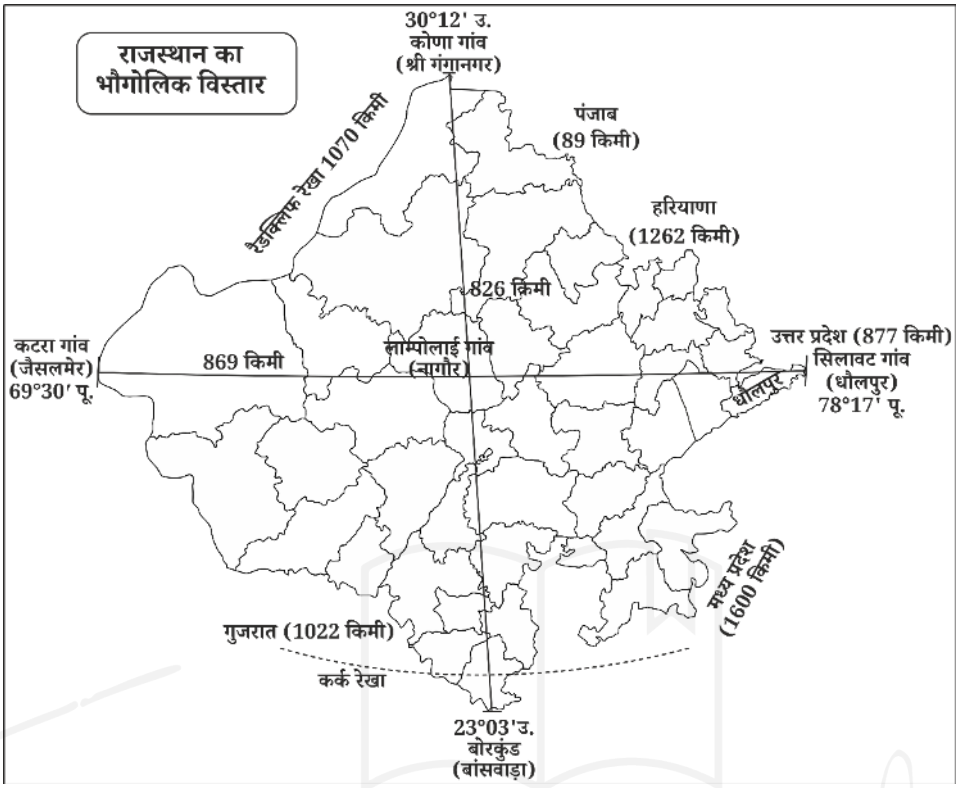

राजस्थान का सीमा विस्तार

- राजस्थान की स्थल सीमा की कुल लंबाई 5,920 किमी. है।
- राजस्थान की सीमा रेखा को दो भागों में वर्गीकृत किया गया है

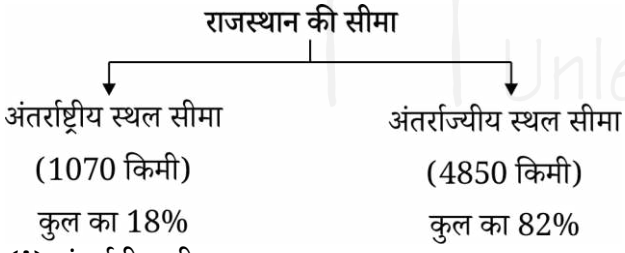

(i) अंतर्राष्ट्रीय सीमा

- भारत-पाकिस्तान सीमा अर्थात् रैडक्लिफ रेखा कहा जाता है और जिसका निर्धारण **17/08/1947** को किया गया था, जिसका कुल विस्तार - 3,323 किमी. (राजस्थान में - 1070 किमी.)
- राजस्थान में रैडक्लिफ रेखा हिंदुमलकोट (श्रीगंगानगर) से शाहगढ़ (बाड़मेर) तक फैली हुई है।

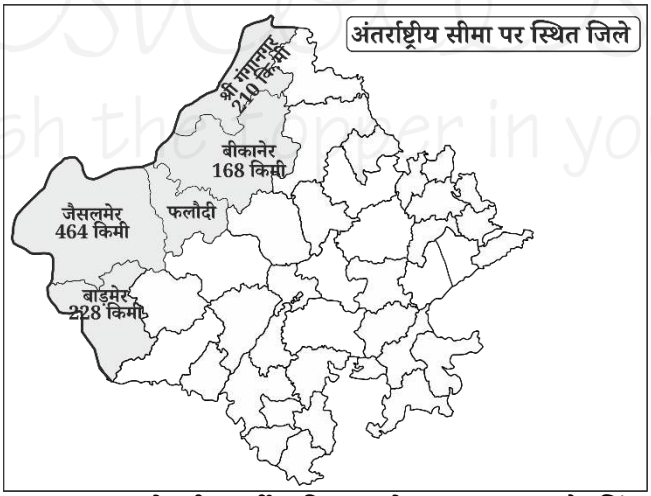

- राजस्थान के सीमावर्ती पाकिस्तान के प्रांत - पंजाब और सिंध

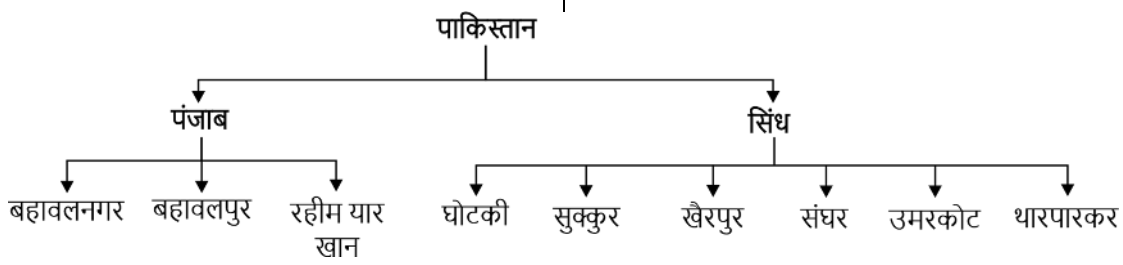

(ii) अंतर्राज्यीय सीमा

- राजस्थान कुल 5 राज्यों के साथ सीमा साझा करता है।
- राजस्थान की अंतर्राज्यीय सीमा की कुल लंबाई- 4,850 किमी.

राजस्थान के पड़ोसी राज्य	राजस्थान के सीमावर्ती जिले
पंजाब (89 किमी.)	श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ (कुल - 2 जिले)
हरियाणा (1262 किमी.)	हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनू, सीकर , कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा (प्रस्तावित नाम – **भर्तृहरि नगर**), अलवर और डीग (कुल - 8 जिले)
उत्तरप्रदेश (877 किमी.)	डीग, भरतपुर, धौलपुर (कुल - 3 जिले)
मध्यप्रदेश (1600 किमी.)	धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, कोटा, बारां, झालावाड़ (सर्वाधिक), चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा (न्यूनतम), प्रतापगढ़ और बांसवाड़ा (कुल - 10 जिले)
गुजरात (1022 किमी.)	बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर (सर्वाधिक), सिरोही, जालौर और बाड़मेर (न्यूनतम) (कुल - 6 जिले)

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य **(**केवल राजस्थान के संदर्भ में**)**

चित्तौड़गढ़

- रैडक्लिफरेखा पर सबसे लंबी सीमा जैसलमेर जिले की है।
- अंतरराष्ट्रीय सीमा के सबसे नज़दीक स्थित जिला मुख्यालय श्री गंगानगर है।
- अंतरराष्ट्रीय सीमा से (राज्य के भीतर) सबसे दूर स्थित जिला मुख्यालय **बीकानेर**
- अंतरराष्ट्रीय सीमा से (समग्र रूप से) सबसे दूर स्थित जिला मुख्यालय – **धौलपुर**
- अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सबसे लंबी सीमा **जैसलमेर** की है।
- वर्तमान में चित्तौड़गढ़ एकमात्र विखंडित जिला है (पहले अजमेर जिला भी विखंडित था किन्तु पुनर्गठन के बाद विखंडित नहीं रहा) ।
- सीमा विवाद - राजस्थान और गुजरात के मध्य मानगढ़ पहाड़ी क्षेत्र (बांसवाड़ा) के लिए विवाद चल रहा है।
- अंतर्राज्यीय और अंतर्राष्ट्रीय सीमा वाले कुल जिले - 28 जिले
- अंतर्राज्यीय सीमा वाले जिले - 25
- केवल अंतर्राज्यीय सीमा वाले जिले- 23 जिले
- अंतर्राष्ट्रीय सीमा वाले जिले – 5 (श्रीगंगानगर, बाड़मेर,बीकानेर, जैसलमेर, फलौदी)
- केवल अंतर्राष्ट्रीय सीमा वाले जिले- 3 जिले (बीकानेर, जैसलमेर, फलौदी)
- अंतर्राज्यीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों ही सीमाओं वाले जिले- 2 जिले (श्रीगंगानगर, बाड़मेर)
- राजस्थान के 13 जिले किसी भी राज्य या देश के साथ सीमा साझा नहीं करते हैं।
- दो राज्यों से सीमा साझा करने वाले जिले (4 जिले)-
  a. हनुमानगढ़: पंजाब + हरियाणा
  b. डीग: हरियाणा + उत्तर प्रदेश
  c. धौलपुर: उत्तर प्रदेश + मध्य प्रदेश
  d. बांसवाड़ा: मध्य प्रदेश + गुजरात

3. राजस्थान के संभाग और जिले

- मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने 17 मार्च, 2023 को 'रामलुभाया समिति' की सिफारिश के आधार पर 3 नए संभाग और 19 नए जिले गठित करने की घोषणा की।

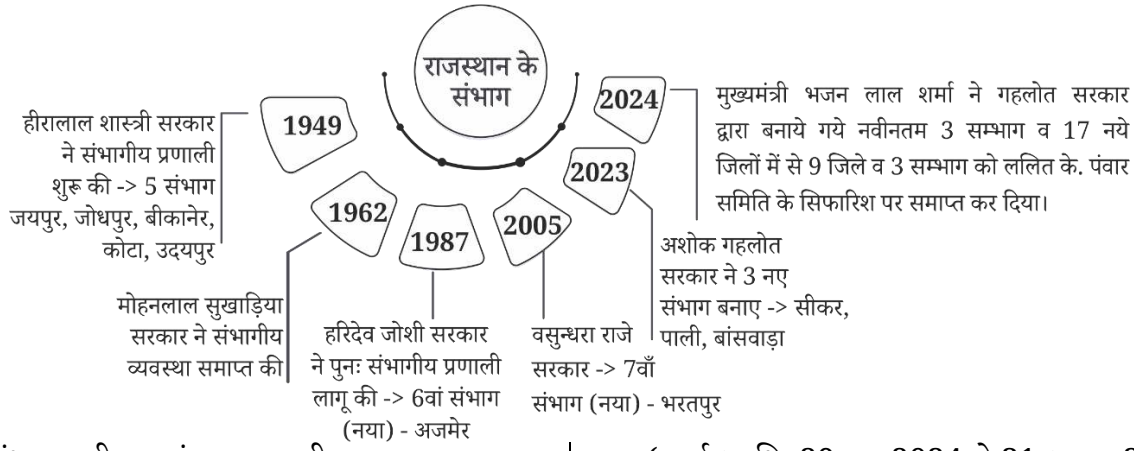

- नए संभाग - सीकर, बांसवाड़ा, पाली
- नए जिले - अनूपगढ़, गंगापुर सिटी, कोटपूतली, बालोतरा, जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, खैरथल, ब्यावर, नीम का थाना, डीग, जोधपुर शहर, जोधपुर ग्रामीण, फलौदी, डीडवाना, सलूंबर, दूदू, केकड़ी, सांचौर और शाहपुरा।
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गहलोत सरकार द्वारा बनाए गये 17 जिले व 3 संभाग को ललित के. पवांर समिति (कार्य अवधि: 29 जून 2024 से 31 अगस्त 2024 तक और रिपोर्ट जमा करने की अंतिम तिथि: 31 दिसंबर 2024) के सिफारिश पर 17 जिलों में से 9 जिले (जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण , नीम का थाना , गंगापुर सिटी, सांचौर , दुदू , केकड़ी , शाहपुरा व अनुपगढ़) व 3 संभाग (पाली, बांसवाडा व सीकर) को समाप्त कर दिया ।
- नए जिले –

क्र. सं.	नया जिला	मूल जिला/जिले	गठन तिथि
27वाँ	धौलपुर	भरतपुर	15 अप्रैल 1982
28वाँ	बारां	कोटा	10 अप्रैल 1991
29वाँ	दौसा	जयपुर	10 अप्रैल 1991
30वाँ	राजसमंद	उदयपुर	10 अप्रैल 1991
31वाँ	हनुमानगढ़	श्रीगंगानगर	12 जुलाई 1994
32वाँ	करौली	सवाई माधोपुर	19 जुलाई 1997
33वाँ	प्रतापगढ़	चित्तौड़गढ़, उदयपुर, बांसवाड़ा	26 जनवरी 2008
34वाँ	बालोतरा	बाड़मेर	7 अगस्त 2023
35वाँ	ब्यावर	अजमेर, पाली, राजसमंद, भीलवाड़ा	7 अगस्त 2023
36वाँ	डीग	भरतपुर	7 अगस्त 2023
37वाँ	डीडवाना–कुचामन	नागौर	7 अगस्त 2023
38वाँ	कोटपूतली–बहरोड़ (प्रस्तावित नाम – भर्तृहरि नगर)	जयपुर और अलवर	7 अगस्त 2023
39वाँ	खैरथल–तिजारा	अलवर	7 अगस्त 2023
40वाँ	फालोदी	जोधपुर और जैसलमेर	7 अगस्त 2023
41वाँ	सलूम्बर	उदयपुर	7 अगस्त 2023

- यदि जिलों की गठन तिथि समान हो, तो उन्हें **वर्णक्रम (A → Z)** के अनुसार सूचीबद्ध किया जाता है।
- मुख्यमंत्री **भजनलाल शर्मा** ने नए जिलों और संभागों के गठन की समीक्षा और प्रबंधन के लिए एक **कैबिनेट उप-समिति** का गठन किया।
- समिति की संरचना:
  - ✓ संयोजक: **मदन दिलावर** (पूर्व में उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा)
  - ✓ सदस्य: हेमंत मीणा, कन्हैयालाल चौधरी, राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और सुरेश सिंह रावत
- अब कुल जिले - 41 तथा
- कुल संभाग – 7

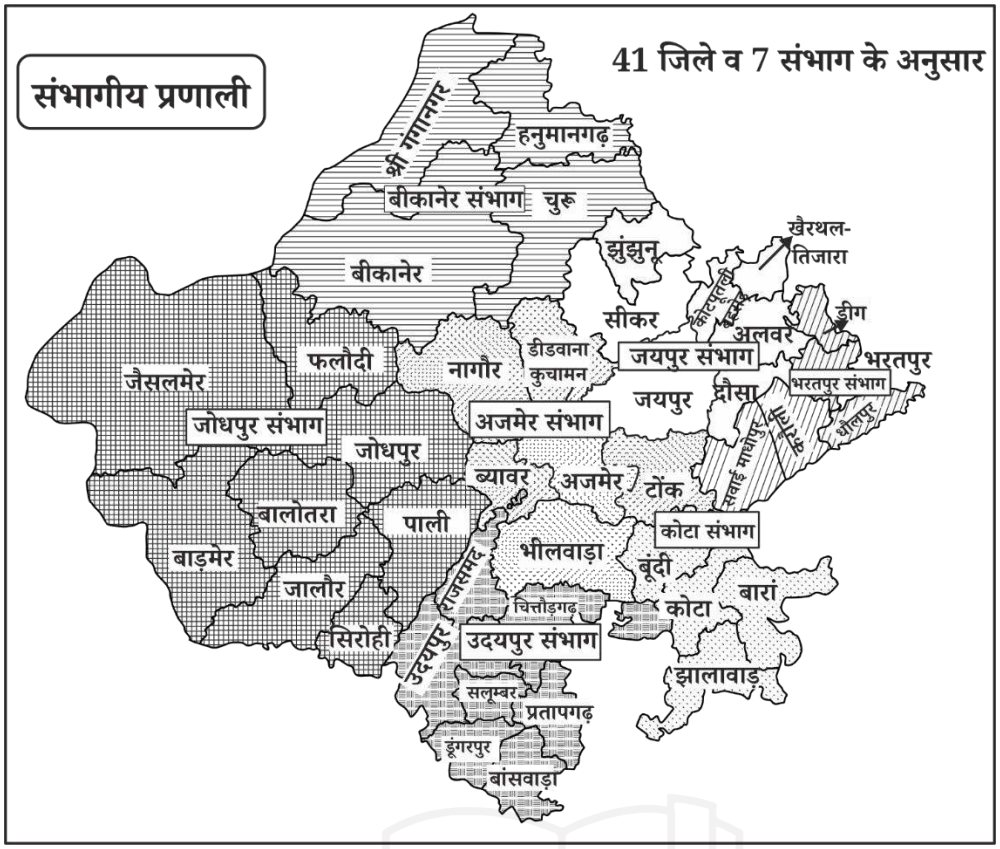

क्र.सं.	संभाग	स्थापना वर्ष	जिले
1.	जोधपुर	1949	जोधपुर, , फलौदी, जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा, पाली, जालौर, सिरोही (**8** जिले)
2.	बीकानेर	1949	बीकानेर, चूरू , हनुमानगढ़, गंगानगर (**4** जिले)
3.	उदयपुर	1949	उदयपुर, , राजसमंद, चित्तौड़गढ़, सलूम्बर बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ (7 जिले)
4.	कोटा	1949	कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़ (**4** जिले)
5.	अजमेर	1987	अजमेर, ब्यावर, , नागौर, टोंक, डीडवाना-कुचामन, भीलवाड़ा (**6** जिले)
6.	जयपुर	1949	जयपुर, कोटपूतली-बहरोड़, दौसा, खैरथल-तिजारा **(**भर्तृहरि नगर), अलवर, सीकर, झुंझुनू, (7 जिले)
7	भरतपुर	2005	भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, डीग, (**5** जिले)

- वर्तमान में, **जिलों की सर्वाधिक संख्या** के आधार पर राजस्थान (41 जिले), देश में **तीसरे स्थान** पर है — उत्तर प्रदेश (75) और मध्य प्रदेश (55) के बाद।
- राजस्थान **के संभागों से संबंधित प्रमुख विशेषताएँ**
  - ✓ क्षेत्रफल **के आधार पर**
    - सबसे बड़ा संभाग: जोधपुर
    - सबसे छोटा संभाग: भरतपुर **(**अगला **सबसे छोटा: कोटा)**
  - ✓ जिलों **की संख्या के आधार पर**
    - सबसे अधिक जिलों वाला संभाग: जयपुर **(8),** उदयपुर **(7)**
    - सबसे कम जिलों **वाला संभाग:** कोटा और बीकानेर (प्रत्येक में 4)
  - ✓ जनसंख्या **के आधार पर**
    - सबसे अधिक जनसंख्या वाला संभाग: जयपुर
    - सबसे कम जनसंख्या **वाला संभाग:** कोटा

33 CHAPTER राजस्थान की भौगोलिक स्थिति

- राजस्थान एक भौगोलिक विविधताओं वाला राज्य है, जिसमें पर्वत, पठार, मैदान और मरुस्थल जैसे भू-आकृतिक प्रदेश मौजूद हैं।
- भौगोलिक- भू-आकृतिक कारकों (भूपृष्ठ एवं जलवायु) के आधार पर राजस्थान को निम्नलिखित 4 भौगोलिक प्रदेशों में विभाजित किया सकता है-

राजस्थान के भौगोलिक प्रदेश				
	पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश (मरुस्थल)	अरावली पर्वतीय प्रदेश	पूर्वी-मैदानी प्रदेश	दक्षिण-पूर्वी पठारी प्रदेश
क्षेत्रफल	**61.11%**	9 %	23 %	6.89 %
जनसंख्या	40%	10%	39%	11%
जिले	20	22	17	7
विभाजन	1. शुष्क मरुस्थलीय क्षेत्र। 2. अर्ध-शुष्क मरुस्थलीय क्षेत्र	1. उत्तरी अरावली क्षेत्र 2. मध्य अरावली क्षेत्र 3. दक्षिण अरावली क्षेत्र	1. चंबल बेसिन क्षेत्र 2. बनास बेसिन क्षेत्र 3. माही बेसिन क्षेत्र	1. विंध्यन कगार भूमि 2. दक्कन लावा पठार 3. हाड़ौती का पठार
निर्माण	चतुर्थक कल्प, प्लीस्टोसीन युग और नवजीवी महाकल्प।	प्री-कैम्ब्रियन काल	प्लीस्टोसीन युग	क्रीटेशियस कल्प
मिट्टी	रेतीली	पर्वतीय/जंगली मृदा	जलोढ़	काली/रेगुर
जलवायु	शुष्क+अर्ध-शुष्क	उप-आर्द्र	आर्द्र	अति आर्द्र
वर्षा (सेमी)	0-20+20-40	40-60	60-80	80-120
वनस्पति (कोपेन)	जीरोफाइट्स, कांटेदार एवं स्तेपी वनस्पति	उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन	शुष्क पर्णपाती एवं मिश्रित कांटेदार वन	आर्द्र पर्णपाती वन

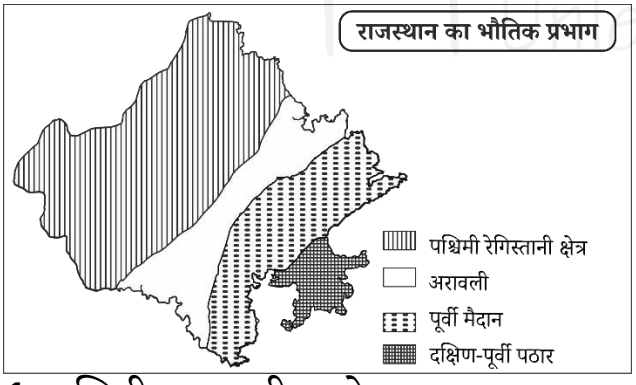

1. पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश

- यह राजस्थान के उत्तर और उत्तर-पश्चिमी भाग में अवस्थित सबसे नवीन भौगोलिक प्रदेश है। इसे टेथिस सागर का अवशेष माना जाता है।
- सामान्य ढाल- पूर्व से दक्षिण-पश्चिम और उत्तर से दक्षिण की ओर।
- इस भौगोलिक प्रदेश की पश्चिमी सीमा रेडक्लिफ रेखा और पूर्वी सीमा अरावली क्षेत्र द्वारा निर्धारित होती है ।
- तृतीयक अवसादी चट्टानी संरचना की प्रधानता के कारण, इस भौगोलिक प्रदेश में जीवाश्म खनिज का भंडार मौजूद है। जैसे- कोयला, पेट्रोलियम, चूना पत्थर, प्राकृतिक गैस आदि।
- इस भौगोलिक प्रदेश में पारंपरिक और गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन दोनों की उपलब्ध है, इसलिए इसे "विश्व का पावर हाउस" भी कहा जाता है।
- यहाँ मरूद्भिद वनस्पति पायी जाती है।
- इस भौगोलिक प्रदेश में स्थित चन्दन नलकूप (जैसलमेर) को "थार का घड़ा" कहा जाता है
- वर्षा के आधार पर (25 सेमी. समवृष्टिरेखा के साथ), राजस्थान के मरुस्थलीय प्रदेश को निम्न दो क्षेत्रों में विभाजित किया गया है

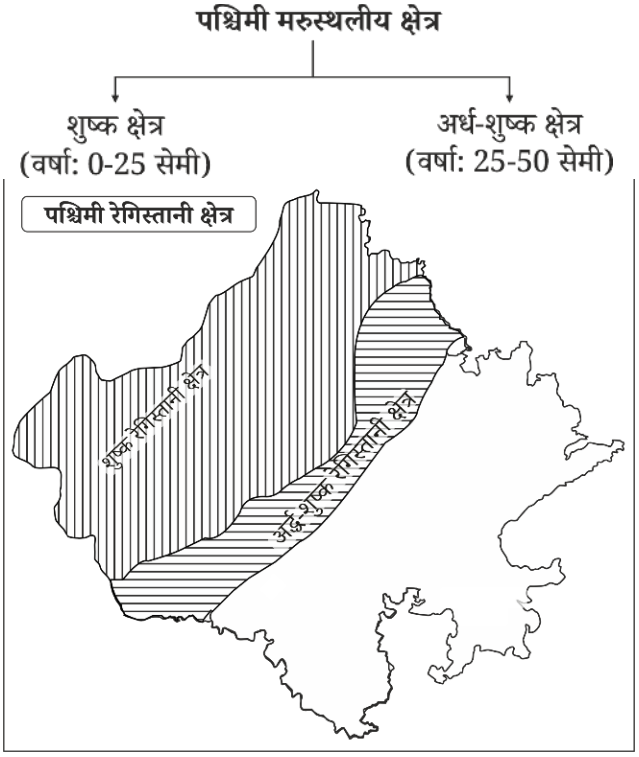

पश्चिमी मरुस्थलीय क्षेत्र

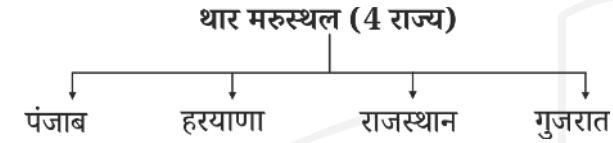

- शुष्क क्षेत्र (वर्षा: 0-25 सेमी)
- अर्ध-शुष्क क्षेत्र (वर्षा: 25-50 सेमी)

शुष्क मरुस्थलीय क्षेत्र

थार मरुस्थल (4 राज्य)

- पंजाब
- हरयाणा
- राजस्थान
- गुजरात

➢ इस क्षेत्र में शुष्क, उष्णकटिबंधीय मरुस्थलीय जलवायु पायी जाती है।

➢ इस क्षेत्र को थार का मरुस्थल कहा जाता है थार मरुस्थल का लगभग 85% हिस्सा भारत में और शेष 15% पाकिस्तान में स्थित है। राजस्थान में मरुस्थल का 62% से अधिक भाग (1,75,000 वर्ग किलोमीटर) स्थित है, शेष भाग गुजरात, हरियाणा और पंजाब में स्थित है। राजस्थान में स्थित मरुस्थल की लम्बाई 640 किलोमीटर , चौड़ाई 300 किलोमीटर और औसत ऊँचाई 200–300 मीटर है।

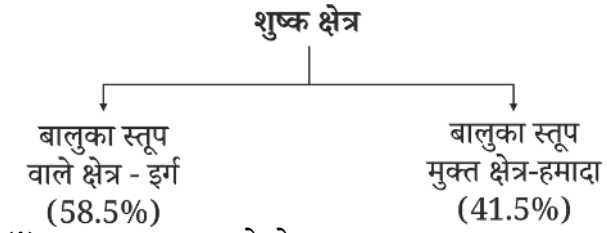

शुष्क क्षेत्र

- बालुका स्तूप वाले क्षेत्र - इर्ग (58.5%)
- बालुका स्तूप मुक्त क्षेत्र-हमादा (41.5%)

(i) बालुका स्तूप वाले क्षेत्र-

✓ पश्चिमी मरुस्थलीय क्षेत्र में हवा द्वारा विस्थापित होने वाली रेत के जमाव से निर्मित लहरदार भू-आकृतियों को बालुका स्तूप कहते हैं। इस क्षेत्र की एकमात्र नदी- काकनी/मसूरदी नदी हैलहरदार रेतीली संरचनाओं को स्थानीय राजस्थानी भाषा में "धोरा" कहा जाता है, जबकि स्थिर या गतिशील रेत संरचनाओं को "धरिया" कहा जाता है।

✓ राजस्थान में सबसे ज्यादा बालुका स्तूप (धोरे) जैसलमेर में पाए जाते हैं।

✓ जबकि, सभी प्रकार के स्तूप जोधपुर जिले में देखे जाते हैं।

✓ बालुका स्तूप के प्रकार-

✓ **बालुका स्तू**पों के प्रकार (मैकी, **1979** के अनुसार)

1. बरखान **बालुका स्तूप**
2. अनुप्रस्थ **बालुका स्तूप**
3. अनुदैर्ध्य **बालुका स्तूप**
4. परवलयिक **बालुका स्तूप**
5. तारानुमा **बालुका स्तूप**
6. टैरैंचुला (सीफ़) **बालुका स्तूप** (इसे रैखिक या अनुदैर्ध्य **बालुका स्तूप** भी कहा जाता है)
7. जटिल / संयुक्त **बालुका स्तूप**
8. नेटवर्क **बालुका स्तूप**
9. उल्टा (प्रतिलोम) **बालुका स्तूप**

बालुका स्तूप के प्रकार

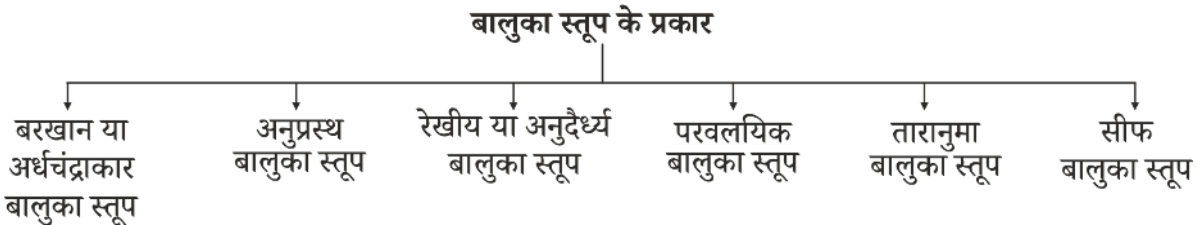

- बरखान या अर्धचंद्राकार बालुका स्तूप
- अनुप्रस्थ बालुका स्तूप
- रेखीय या अनुदैर्ध्य बालुका स्तूप
- परवलयिक बालुका स्तूप
- तारानुमा बालुका स्तूप
- सीफ बालुका स्तूप

➢ बरखान या अर्धचंद्राकार बालुका स्तूप –

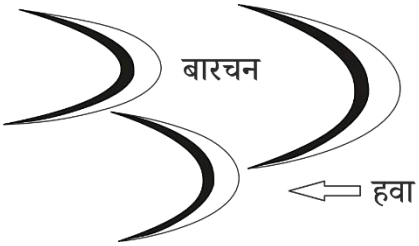

✓ अर्धचंद्राकार बालुका स्तूप सामान्यतः समूहों में पाए जाते हैं।

✓ यह उन मरुस्थलीय क्षेत्रों में निर्मित होते हैं, जहाँ वर्ष भर वायु का प्रवाह एक ही दिशा में होता है।

✓ बरखान, राजस्थान में सर्वाधिक सामान्य रूप से पाया जाने वाला बालुका स्तूप है।

- ✓ इनमें हल्की वायुमुखी ढलानें और तीव्र पवनविमुख ढलानें होती हैं।
- ✓ अधिकतम क्षेत्र: चुरू (भालोगी), जैसलमेर (रामगढ़), फलोदी, बीकानेर (देशनोक), जोधपुर (ओसियां) आदि।
- ✓ मुख्यतः 20–35 सेमी समवर्षा रेखा के बीच वाले क्षेत्र में पाए जाते हैं, जो मुख्यतः पश्चिमी मरुस्थलीय क्षेत्र में स्थित है।
- ✓ मरुस्थलीकरण (**desertification**) में बरखान का सर्वाधिक योगदान है।

➢ अनुप्रस्थ बालुका स्तूप:

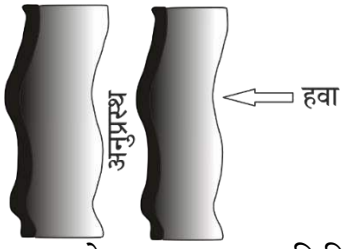

- ✓ जब हवा द्वारा रेत का जमाव हवा की दिशा के लम्बवत् (समकोण पर) होता है, तो उससे अनुप्रस्थ बालुका स्तूपनिर्मित भू-आकृति को अनुप्रस्थ बालुका स्तूप कहा जाता है।
- ✓ अनुप्रस्थ बालुका स्तूप अधिकांशतः जोधपुर, बीकानेर (फूगल), श्रीगंगानगर (सूरतगढ़), हनुमानगढ़ (रावतसर), चूरू, झुंझुनूं में पाया जाता है

➢ रेखीय/अनुदैर्ध्य बालुका स्तूप:

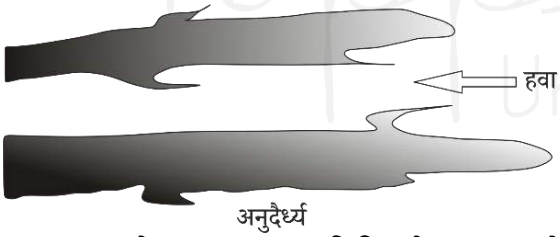

- ✓ जब रेत का जमाव हवा की दिशा के समानांतर होता है, तो रेखीय/अनुदैर्ध्य बालुका स्तूप का निर्माण होता है।
- ✓ रेखीय बालुका स्तूप सामान्य रूप से लूणी, जवाई और घग्घर नदी घाटी क्षेत्र मुख्यतः जैसलमेर और जोधपुर, बाड़मेर, सूरतगढ़ में पाए जाते हैं।

➢ परवलयिक बालुका स्तूप-

- ✓ ये बरखान के विपरीत दिशा में निर्मित बालुका स्तूप होते हैं।
- ✓ इनका आकार हेयरपिन (hairpin) जैसा होता है।
- ✓ इस प्रकार के बालुका स्तूप का निर्माण वनाच्छादित क्षेत्रों और समतल मैदानी क्षेत्रों के मध्य होता है।
- ✓ सर्वाधिक परवलयिक बालुका स्तूप राजस्थान में पाए जाते हैं।

➢ तारानुमा बालुका स्तूप-

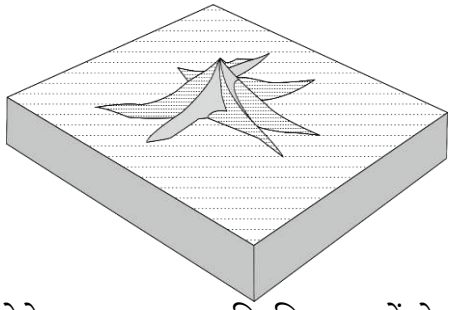

- ✓ ऐसे बालुका स्तूप अनियमित हवाओं के बहाव से निर्मित होते हैं
- ✓ सर्वाधिक तारानुमा बालुका स्तूप जैसलमेर, सूरतगढ़ और बीकानेर में पाए जाते हैं।

➢ सीफ़ बालुका स्तूप:

- ✓ जब बरखान के निर्माण के दौरान हवा की दिशा में बदलाव होता है, तो बरखान की एक भुजा फैल जाती है और सीफ का निर्माण होता है अर्थात सीफ में केवल एक ही भुजा होती है जो ऊँची और अधिक लम्बी होती है।
- ✓ इसे 'अनुदैर्ध्य सीफ बालुका स्तूप' भी कहा जाता है।

➢ **नेटवर्क बालुका स्तूप**

- ✓ जो बालुका स्तूप आपस में जुड़े या एक-दूसरे से संपर्क में होते हैं, उन्हें नेटवर्क ड्यून्स (नेटवाक बालूया स्तूप) कहा जाता है।
- ✓ ये बालुका स्तूप मुख्यतः जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर में पाए जाते हैं और हिसार–भिवानी (हरियाणा) तक फैले हुए हैं।

➢ **अवरोधित बालुका**

- ✓ अरावली पर्वतमाला द्वारा उत्पन्न अवरोध के कारण बनने वाले बालूस्तूपों को अवरोधित बालुका स्तूप कहा जाता है।